CH. CHARAN SINGH COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY

SADARPUR MEERUT

SESSION - 2023 - 2024

B.Ed- Ist year

NAME - Kirtika chaudhary / 24104587

CLASS - B.Ed - Ist year

FILE NAME – Hindi Language

Roll No.- 240562000030

SUBMITTED TO

Dr. Parul

SUBMITTED BY -

Kirtika Chaudhary

CH. CHARAN SINGH UNIVERSITY MEERUT

Scanned with OKEN Scanner

wave

TOPIC ______ DATE ______

S. No.	Topic	Sign.
1	भाषा, व्याकरण	
2	स्वर, व्यंजन	
3	व्यंजनों का वर्गीकरण	
4	शब्द, शब्द के भेद	
5	वाक्य, वाक्य के भाग	
6	सन्धि, सन्धि के प्रकार	
7	समास, समास के भेद	
8	वचन	
9	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	
10	विलोम शब्द	
11	पर्यायवाची शब्द	
12	पत्र लेखन	

CREATIVE

Teacher's Signature ______

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ____________ DATE ________

आभिस्वीकृति

मैं अपनी हिन्दी अध्यापिका को धन्यवाद करना चाहूगी जिन्होने मुझे इस विषय पर परियोजना बनाने का अवसर प्रदान किया।

मैं अपने सहपाठियो, गुरूजनो एवं माता-पिता को भी धन्यवाद करूगी जिन्होने मुझे सीमित समय सीमा के भीतर इस परियोजना को अतिंम रूप देने मे मेरी बहुत मदद की है।

Vardhman

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC____________ DATE________

भाषा

भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावो या विचारो का आदान-प्रदान करता है।

सरल शब्दो मे – सामान्यत: भाषा मनुष्य की सार्थक व्यक्त वाणी को कहते है।

बाबुराम सक्सेना के अनुसार :– जिन ध्वनि-चिन्ह द्वारा मनुष्य परस्पर विचार-विनियम करता है उसको समष्टि रूप से भाषा कहते है।

प्रत्येक देश की अपनी एक भाषा होती है, हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी है। संसार मे अनेक भाषाएं है जैसे — हिंदी, अंग्रेजी, बंगला, गुजराती, आदि।

व्याकरण

व्याकरण वह विद्या है जिसके द्वारा हमे किसी भाषा का शुद्ध बोलना, लिखना एवं समझना आता है।

व्याकरण उस शास्त्र को कहते है जिसमे किसी भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाले नियम बताए गये हो।

उदाहरण - सीता पेड पर चढता है।

वाक्य मे यह अशुद्धि है कि सीता स्त्रीलिंग के साथ क्रिया रूप चढती होना चाहिए। वाक्य बनेगा –

सीता पेड पर चढती है।

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ________ DATE ________

वर्ण ÷ भाषा की सबसे छोटी ईकाई ध्वनि है। इस ध्वनि को वर्ण कहते है।

वर्णमाला ÷ वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं। हिन्दी मे 52 वर्ण है।

स्वर ÷ अ आ इ ई उ ऊ
ऋ ए ऐ ओ औ
अं अः

व्यंजन

क ख ग घ ङ च छ

ज झ ञ ट ठ ड ढ

ण त थ द ध न प

फ ब भ म य र

ल व श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ______ DATE ______

व्यंजनो का वर्गीकरण

व्यजन तीन प्रकार के होते है।

स्पर्श व्यंजन

अन्तस्थ व्यजंन

ऊष्म व्यंजन

स्पर्श व्यंजन – जिन व्यंजको का उच्चारण करते समय जीभ मुख के किसी न किसी भाग को स्पर्श करती है, उन्हे स्पर्श व्यंजन कहते है। क से म तक के वर्णों को स्पर्श व्यंजन कहते है। इनकी संख्या 25 होती है।

अन्तस्थ व्यंजन – जिन व्यंजनो का उच्चारण स्वर और व्यंजनो के मध्य का होता है, उन्हे अतःस्थ व्यंजन कहते है। अंतस्थ व्यंजन के उदाहरण – 'य', 'र', 'ल' और 'व' है

ऊष्म व्यंजन – जिन वर्णों के उच्चारण मे मुख से विशेष प्रकार की गर्म वायु निकलती है, उन्हे ऊष्म व्यंजन कहते है। उदाहरण - श, ष, स और ह।

Vardhman

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC DATE

शब्द

दो या दो से अधिक वर्णों से बने ऐसे समूह को शब्द कहते हैं, जिनका कोई न कोई अर्थ अवश्य हो।

दूसरे शब्दों में :-

वर्णों या ध्वनियों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं जैसे - सन्तरा, कबूतर, घर, गाँव आदि।

शब्द के भेद :-

1) अर्थ की दृष्टि से शब्द भेद -
(i) निरर्थक शब्द (ii) सार्थक शब्द

2) प्रयोग की दृष्टि से शब्द भेद -
(i) विकारी शब्द (ii) अविकारी शब्द

3) उत्पत्ति की दृष्टि से शब्द भेद -
(i) तत्सम शब्द (ii) तद्भव शब्द
(iii) देशज शब्द (iv) विदेशी शब्द

4) रचना की दृष्टि से शब्द भेद
(i) रूढ (ii) यौगिक (iii) योगरूढ

Vardhman

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ______ DATE ______

वाक्य

वह शब्द समूह जिससे पूरी बात समझ में आ जाये, वाक्य कहलाता है।

दूसरे शब्दों में – सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह जिससे अपेक्षित अर्थ प्रकट हो, वाक्य कहलाता है। जैसे –

1. विजय खेल रहा है।
2. राम पढ रहा है।

वाक्य के भाग – वाक्य के दो भेद होते हैं –

(1) उद्देश्य (2) विधेय

(1) उद्देश्य – वाक्य में जिसके विषय में कुछ बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं। जैसे –

सचिन दौडता है।

इस वाक्य में सचिन के विषय में बताया गया है, अतः ये उद्देश्य है।

(2) विधेय – उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है विधेय कहते हैं। जैसे – पूनम किताब पढती है।

इस वाक्य में किताब पढती है विधेय है क्योंकि पूनम के विषय में कहा गया है।

Vardhman

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ______ DATE ______

सन्धि

दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार होता है। वह सन्धि कहलाता है। संस्कृत, हिन्दी एवं अन्य भाषाओं मे परस्पर स्वरो या वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार को सन्धि कहते है। जैसे – देव + इंद्र - देवेंद्र, सम् + तोष - संतोष, भानु + उदय = भानूदय।

सन्धि के प्रकार

सन्धि तीन प्रकार की होती है-

स्वर सन्धि – दो स्वरो के मिलने से आपस मे जो विचार उत्पन्न होते है। उसे स्वर संधि कहते है। स्वर सन्धि पांच प्रकार की होती है।
दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, वृद्धि सन्धि, यण सन्धि, अयादि सन्धि।
जैसे - नै + यन = नयन

व्यंजन सन्धि – दो व्यंजनो के मिलने से या स्वर और व्यंजन के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे व्यंजन संधि कहते है। जैसे - दिक + आज = दिग्गज

विसर्ग सन्धि – विसर्ग (:) के साथ स्वर या व्यंजन के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग सन्धि कहते है। जैसे - नि: + आशा = निराशा

Vardhman

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ______ DATE ______

समास

दो या दो से अधिक शब्दो से मिलकर बने हुए सार्थक शब्द को समास कहते है।

समास के भेद

समास के मुख्यत: छः भेद होते है।

1. अव्ययीभाव समास :- अव्ययीभाव समास का वह रूप जिसमे प्रथम पद अव्यय एवं द्वितीय पद संज्ञा होता है. अव्ययीभाव समास मे प्रथम पद प्रधान होता है।

यथाविधि - विधि के अनुसार।
आजन्म - जन्म के अनुसार।

2. तत्पुरुष समास - इस समास मे प्रथम शब्द गौण तथा द्वितीय पद प्रधान होता है; तत्पुरुष समास कहलाता है। इसमे कारक चिन्हो का लोप हो जाता है।
जैसे — 1. माखनचोर - माखन चुराने वाला
2. परीक्षा भवन - परीक्षा के लिए भवन

3. द्विगु समास - इस समास का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है और दूसरा पद उसका विशेष्य होता है जैसे -
चौराहा - चार राहो का समूह
त्रिवेणी - तीन वेणियो का समाहार

Vardhman

TOPIC ________ DATE ________

4. द्वन्द्व समास – इस समास मे दोनो पद प्रधान होते है तथा, और, या, अथवा, आदि शब्दो का लोप होता है। जैसे –

आय - व्यय – आय और व्यय ।

माता - पिता – माता और पिता ।

5. कर्मधारय समास – इस समास मे विशेषण का सम्बन्ध होता है। इसमे प्रथम पद गुणवाचक होता है। जैसे –

महात्मा – महान् है जो आत्मा ।

पीताम्बर – पीला है जो अम्बर ।

नीलकमल – नीला है जो कमल ।

6. बहुब्रीहि समास – इससमास मे कोई भी पद प्रधान नही होता बल्कि समस्त पद किसी अन्य विशेषण का कार्य करता है और यही तीसरा पद प्रधान होता है। जैसे –

1. दशानन – दश है आनन (मुख) जिसके अर्थात रावण ।
2. चतुर्भुज – चार है भुजाएँ जिसकी अर्थात विष्णु ।
3. नीलकंठ – नील है कंठ जिसका अर्थात शिव ।

Vardhman

TOPIC ______ DATE ______

वचन –

शब्द के जिस रूप से एक या एक से अधिक का बोध होता है, उसे हिन्दी व्याकरण मे वचन कहते हैं।

वचन के प्रकार – वचन के दो भेद होते हैं –

1) एकवचन – वचन के जिस रूप मे एक व्यक्ति या एक वस्तु होने का ज्ञान हो, उसे एकवचन कहते है। जैसे – स्त्री, घोडा, नदी, रुपया, बच्चा आदि।

2) बहुवचन – शब्द के जिस रूप मे एक या एक से अधिक व्यक्ति या वस्तु होने का ज्ञान हो, उसे बहुवचन कहते है। जैसे – स्त्रियाँ, घोडे, नदियाँ, रुपये, बच्चे आदि।

अनेक शब्दो के लिए एक शब्द

कुछ ऐसे लाक्षणिक पद या शब्द भी है, जो अपने मे पूरे एक वाक्य या वाक्यांश का अर्थ रखते है। भाषा मे कई शब्दो के स्थान पर एक शब्द बोलकर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते है। जैसे – जिस स्त्री का पति मर गया हो शब्द समूह के स्थान पर विधवा शब्द प्रयुक्त होगा।

यहाँ पर अनेक शब्दो के लिए एक शब्द के कुछ उदाहरण दिए जा रहे है –

1. आज्ञा का पालन करने वाला – आज्ञाकारी
2. आकाश मे उडने वाला – नभचर
3. ईश्वर मे आस्था रखने वाला – आस्तिक

Vardhman

TOPIC______ DATE______

विलोम शब्द

एक दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द विलोम कहलाते है।

कुछ विलोम शब्दों के उदाहरण नीचे दिए जा रहे हैं -

शब्द	विलोम
अमृत	विष
अंधकार	प्रकाश
आकाश	पाताल
स्वामी	सेवक
अच्छा	बुरा
गुण	अवगुण

पर्यायवाची शब्द

पर्याय का अर्थ है - समान तथा वाची का अर्थ है - बोला जाने वाला अर्थात जिन शब्दों का अर्थ एक ही होता है पर्यायवाची शब्द कहलाते है।

कुछ पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण निम्नलिखित हैं -

अग्नि - आग, ज्वाला, पावक

कमल - पंकज, नीरज, सरोज

अंजाम - परिणाम, नतीजा, फल

अंधा - सूरदास, नेत्रहीन, दृष्टिहीन

गज - हाथी, गयंद, गजेन्द्र

किताब - पोथी, ग्रन्थ, पुस्तक

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ______ DATE ______

पत्र लेखन

लिखित रूप से अपने मन के भावों एवं विचारों को प्रकट करने का माध्यम पत्र है। पत्र का अर्थ है - ऐसा कागज जिस पर कोई बात लिखी अथवा छपी हो।

रोहित कुमार
A - 565
मील रोड, सहारनपुर

प्रिय अनुज,
शुभाशीष

तुम्हारा पत्र मिला, जिसे पढकर मन आनंदित हो उठा, परीक्षा मे शानदार सफलता पर तुम्हे हार्दिक बधाई। तुमने वर्ष भर खूब मन लगाकर पढाई की थी, यह उसी का परिणाम है। तुम भविष्य मे भी इसी प्रकार परिश्रम करते रहना तथा अपने गुरुजनों एवं बडो के शुभाशीर्वाद से सदा इसी प्रकार अच्छे अंक प्राप्त करते रहना।

तुम्हारा अग्रज
अंकित गुप्ता

Vardhman

Scanned with OKEN Scanner